जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 10 सितम्बर, 2020

जामिया के कानून के दो छात्रों ने दक्षिण एशिया में जेंडर आधारित हिंसा पर इंटरनेशनल जर्नल की शुरुआत की

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि उसके फैकल्टी आफ लाॅ के दो छात्रों, नसीर हुसैन जाफ़री और उमेर अहमद अन्द्राबी ने अमेरिका के रोचेस्टर विश्वविद्यालय में सुसान बी एंथोनी सेंटर से मिलकर फाउंडेशन फॉर एकेडेमिया, इनोवेशन एंड थॉट (एफएआईटीएच) नामक एक गैर-लाभकारी संगठन स्थापित करने के बाद - साउथ एशियन जर्नल ऑफ लॉ, पॉलिसी एंड सोशल रिसर्च (एसएजेएलपीएसआर) पत्रिका शुरू की है।

पत्रिका का पहला अंक 7 सितंबर (सोमवार) को एसएसआरएन (सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क) पर जारी किया गया, जो सामाजिक विज्ञान और मानविकी में विद्वानों के शोध के लिए समर्पित है।

यह पत्रिका मार्च में रिलीज़ होनी थी लेकिन कोविड- 19 महामारी की वजह से इसे स्थगित करना पड़ा।

वैश्विक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत नसीर हुसैन जाफरी और उमैर अहमद अंद्राबी को पिछले साल अमेरिका के रोचेस्टर विश्वविद्यालय के लिए चुना गया था और वहां जाने के बाद उन्होंने उक्त पत्रिका की शुरुआत की।

यह पत्रिका कानूनी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक और पूर्व में अप्रकाशित अनुसंधान कार्यों को प्रकाशित करती है। पत्रिका ने कला का भी सहारा लेते हुए इसे रोचक बनाने का प्रयास किया है, जिससे कि यह लाइब्रेरी की अलमारियों तक सीमित नहीं रहे।

जर्नल का पहला अंक जेंडर-आधारित हिंसा (जीबीवी) के विषय पर केंद्रित है, जिसमें दक्षिण एशियाई क्षेत्र में जेंडर के आधार पर शारीरिक, यौन और मनोवैज्ञानिक हिंसा शामिल है।

जामिया का एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, फोटोग्राफी के संदर्भ में इस पत्रिका का आधिकारिक भागीदार है। वॉल्यूम 1 अंक 2 इस साल नवंबर में जारी होने वाला है। एसएजेएलपीएसआर के वॉल्यूम 1, अंक 2 को ऑनलाइन जारी किया गया है और इसे https://www.ssrn.com/link/South-Asian-J-Law-Policy-Social-Research.html पर मुफ्त में एक्सेस किया जा सकता है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक